

Rajya Sabha, I am directed to return herewith the Appropriation (No. 3) Bill, 1976, which was passed by the Lok Sabha at its sitting held on the 12th March, 1976, and transmitted to the Rajya Sabha for its recommendations and to state that this House has no recommendations to make to the Lok Sabha in regard to the said Bill.'

(iv) 'In accordance with the provisions of sub-rule (6) of rule 186 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Rajya Sabha, I am directed to return herewith the Pondicherry Appropriation (No 2) Bill, 1976, which was passed by the Lok Sabha at its sitting held on the 11th March, 1976, and transmitted to the Rajya Sabha for its recommendations and to state that this House has no recommendations to make to the Lok Sabha in regard to the said Bill

(v) 'In accordance with the provisions of sub-rule (6) of rule 186 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Rajya Sabha I am directed to return herewith the Nagaland Appropriation (No 2) Bill, 1976, which was passed by the Lok Sabha at its sitting held on the 11th March, 1976, and transmitted to the Rajya Sabha for its recommendations and to state that this House has no recommendations to make to the Lok Sabha in regard to the said Bill.'

12.05 hrs.

COMMITTEE ON PUBLIC UNDERTAKINGS

SEVENTY-EIGHTH REPORT

SHRI NAWAL KISHORE SHARMA
(Dausa): I beg to present the Seven-

ty-eighth Report of the Committee on Public Undertakings on Action Taken by Government on the recommendations contained in their Sixty-second Report on Rural Electrification Corporation Limited.

12 06 hrs.

RAILWAY BUDGET, 1976-77—GENERAL DISCUSSION...Contd

MR SPEAKER. Shri Kamalpathi Tripathi to continue his reply

रेल मंत्री (श्री कमलपति त्रिपाठी) : मान्यवर, कल आप की अज्ञा से तीन दिनों में जो बहस रेलवे पर हो रही है उन का उत्तर देने के लिये खड़ा हुआ था। समय बीता इसलिए आज उत्तर देने की आज्ञा आप ने मझे दी है। मान्यवर, इस बार के बजट पर कुछ विरोध बाने देखने में आया। एक बात तो यह देखने में आयी कि इस बजट का उत्तर देना क्या है। जो बहस हुई उस में विराधी दल ने कोई हिस्सा नहीं लिया। शायद उन्हें कुछ मिला नहा विरोध करने के लिये। माझा होगा कि धर्म है उन क. कि विरोध किया जाये इसलिए धर्म का पालन करना चाहत थे अतः, पर उस का मौका नहा मिला। एक दूसरे दल में उन्होंने समर्थन प्रदान किया। वह यह कि उठ कर के यहां में चले गये सब के सब। आज तो दर्शन हो रहे है कुछ मूर्तियों के; लेकिन तीन दिन जब बहस हुई तो मान्यवर, आप ने भी देखा होगा, मैं ने एक बार ध्यान भी आकृष्ट किया था, कोई नहीं था यहां। मैं ने एक बात और रखी।

श्री भोगेंद्र लाल (जयनगर) : अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय जो बोल रहे हैं, आप जानते हैं कि एक एक दल से दो, दो तीन, तीन लोग बोले हैं। अगर उन्होंने नहा सुना है तो अपने साथी माननीय कुरेती जी से पूछ लें जो नोट कर रहे थे।